राजस्थान बोर्ड परीक्षा 2019–20
10वीं कक्षा
सामाजिक विज्ञान
मॉडल पेपर–9

समय : $3\frac{1}{4}$ घंटे **(पूर्णांक : 80)**

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5.

प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
1–10	1	20 शब्द
11–19	2	40 शब्द
20–26	4	100 शब्द
27, 29	6	150 शब्द
28	7	150 शब्द

6. प्रश्न संख्या 24 व 27 से 29 तक में आंतरिक विकल्प है।
7. प्रश्न संख्या 30 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 5 अंक का है।

1. भारत में प्रथम बार अपने नाम के सोने के सिक्के किस कुषाणवंशी शासक ने चलाए? 1

उत्तर :
भारत में प्रथम बार अपने नाम के सोने के सिक्के कुषाणवंशी शासक विम कडफिस द्वितीय ने चलाए।

2. हल्दीघाटी को मेवाड़ की **थर्मोपल्ली** किसने कहा है? 1

उत्तर :
कर्नल जेम्स टॉड ने हल्दीघाटी को मेवाड़ की **थर्मोपल्ली** कहा है।

3. लोकतन्त्र के कोई दो दोष बताइए। 1

उत्तर :
लोकतन्त्र के दो दोष निम्नलिखित है–
1. संकटकालीन दृष्टि से कमजोर शासन।
2. सार्वजनिक धन व समय का अपव्यय।

4. प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना कब शुरू हुई? 1

उत्तर :
प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना 25 दिसम्बर, 2000 को शुरू हुई।

5. योजना अवकाश क्या हैं? 1

उत्तर :
भारत की तीसरी पंचवर्षीय योजना बनाने की प्रक्रिया में आयी बाधाओं के कारण 1966 से 1969 के बीच बनायी गयी तीन वार्षिक योजनाओं की अवधि को **योजना अवकाश** कहते हैं।

6. एनआईटीआई (नीति) आयोग की स्थापना कब हुई थी? 1

उत्तर :
एनआईटीआई (नीति) आयोग की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को हुई थी।

7. नीति आयोग का कार्य बताइए। 1

उत्तर :
नीति आयोग भारत सरकार के लिए रणनीतिक तथा दीर्घकालीन नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण के साथ–साथ तकनीकी सलाह भी देता है। यह भारत सरकार का योजना थिंक टैंक है।

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में पेपर भेज दिए जाएंगे।

8. छिपी हुई बेरोजगारी से आप क्या समझते है? 1

उत्तर :

छिपी बेरोजगारी से अभिप्राय ऐसी परिस्थिति से है जिसमें लोग प्रत्यक्ष रूप से काम करते दिखाई देते हैं किन्तु वास्तव में उनकी उत्पादकता शून्य होती है। अर्थात् यदि उन्हें उनके काम से हटा दिया जाए तो भी कुल उत्पादकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

9. केन्द्रीय बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित करता है? 1

उत्तर :

केन्द्रीय बैंक (आरबीआई) विभिन्न प्रकार के मौद्रिक उपाय अपनाकर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करता है। जैसे–मुद्रा की मात्रा या साख की उपलब्धता में कमी करना।

10. समग्र पूर्ति क्या है? 1

उत्तर :

समग्र पूर्ति का तात्पर्य उत्पादन की उस मात्रा से है जिसे अर्थव्यवस्था दिए गए संसाधनों व उपलब्ध तकनीक से उत्पादित कर सकती है।

11. राज्य मंत्रिपरिषद की शक्तियाँ और कार्य क्या हैं? 2

उत्तर :

राज्य मंत्रिपरिषद की शक्तियाँ और कार्य निम्नलिखित है–

1. मंत्रिपरिषद शासन की नीति निर्धारित करता है।
2. मंत्रिपरिषद उच्च पदों पर नियुक्ति के सम्बन्ध में राज्यपाल को परामर्श देता है।
3. ये मंत्रिपरिषद विधानमण्डल में शासन का प्रतिनिधित्व करता है।
4. ये मंत्रिपरिषद कानून निर्माण का कार्यक्रम निश्चित करता है।
5. मंत्रिपरिषद द्वारा निश्चित की गयी नीति के आधार पर ही बजट तैयार किया जाता है।

12. चम्बल घाटी परियोजना का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर :

चम्बल घाटी परियोजना राजस्थान तथा मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है। यह परियोजना चम्बल नदी पर 1953 ई. में प्रारम्भ की गई। चम्बल नदी के प्रवाह से भूमि अपरदन तथा बाढ़ के कारण एवं अन्य सम्बन्धित आपदाओं से होने वाली हानि से बचाव के लिए ये परियोजना तीन चरणों में आरम्भ की गई। इस योजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के मन्दसौर जिले में गाँधी सागर बाँध तथा नहर प्रणाली का विकास किया गया। द्वितीय चरण में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा नामक स्थान पर राणा प्रताप सागर बाँध तथा तीसरे चरण में कोटा–बूँदी सीमा पर जवाहर सागर पिकअप बाँध तथा विद्युत गृहों का निर्माण किया गया। कोटा बैराज से राजस्थान में सिंचाई नहरों के माध्यम से की जाती है।

13. भारत में कपास व तिलहन का उत्पादन एवं उत्पादकता बताइए। 2

उत्तर :

कपास– भारत में वर्ष 2014–15 में कपास का उत्पादन 35.48 लाख गाँठों का हुआ। वर्ष 2014–15 में कपास की उत्पादकता 461 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर रही।

तिलहन– भारत में वर्ष 2014–15 में तिलहन का उत्पादन 26.68 मिलियन टन रहा वहीं इसकी उत्पादकता 1037 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर रही।

14. भारत में तांबा उत्पादक क्षेत्र बताइये। 2

उत्तर :

भारत में तांबा के तीन प्रमुख उत्पादक राज्य झारखण्ड, राजस्थान व आन्ध्रप्रदेश है। अन्य उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, सिक्किम व उत्तराखण्ड से तांबा प्राप्त होता है। देश का एक–तिहाई तांबा राजस्थान से उत्पादित किया जाता है।

15. राजस्थान में सीसा और जस्ता उद्योग के वितरण पर प्रकाश डालिए। 2

उत्तर :

राजस्थान की अरावली पर्वत में देश के सर्वाधिक सीसे–जस्ते के भंडार होने के कारण सीसा और जस्ता उद्योग जावर, देबारी (उदयपुर) तथा चंदेरिया (चित्तौड़) राजपुरा दरीबा तथा रामपुरा दरीबा में स्थापित है। ये उद्योग खानों के पास ही स्थापित हैं। शेष कच्चा माल पुर बनेड़ा, चौथ का बरवाड़ा, गुढ़ा किशोरीदास से मंगाया जाता है। इन उद्योगों से देश के उत्पादन का 95 प्रतिशत सीसा और जस्ता राजस्थान से जाता है।

16. राजस्थान की आबादी में वृद्धि के पीछे क्या कारण है? 2

उत्तर :

राजस्थान की आबादी में वृद्धि के पीछे कारण निम्नलिखित है–

1. राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि का कारण राज्य की विशेष भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि है। यहाँ का दो–तिहाई भाग निर्जन है और एक बड़ा भाग पर्वतीय एवं जनजाति क्षेत्र का है।
2. निम्न महिला साक्षरता दर तथा आज भी महिलाएँ संस्थागत प्रसव की अपेक्षा दाई द्वारा प्रसव कराने को ही अधिक महत्व देती है।
3. बच्चे के स्वस्थ एवं जीवित रहने की कम सम्भावना के कारण अधिक बच्चों का जन्म, कम आयु में विवाह तथा लड़का पैदा करने की चाह के कारण प्रदेश की जन्मदर तथा शिशु मृत्यु दर अधिक रही है, जिससे जनसंख्या वृद्धि हुई है।

17. परिवहन तथा संचार में अन्तर स्पष्ट कीजिये। 2

उत्तर :

परिवहन तथा संचार में अन्तर निम्न हैं–

अन्तर का आधार	परिवहन	संचार
परिभाषा	लोगों तथा सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने–ले–जाने का साधन परिवहन कहलाता है।	एक स्थान से दूसरे स्थान के व्यक्ति को विचार, दर्शन या सूचनाऐं भेजने का साधन संचार कहलाता है।
आवश्यकता	देश के आर्थिक विकास को गतिशीलता प्रदान करने के लिए परिवहन आवश्यक है।	देश की सामाजिक प्रगति के लिए संचार साधन आवश्यक है।

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द व्हाट्सएप्प करें। आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाऐंगे।

उदाहरण	परिवहन मुख्यतः सड़क रेल, जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा उत्पन्न होते है।	डाक, तार, टेलीफोन इन्टरनेट, टेलीविजन आदि संचार के प्रमुख साधन है।

18. 1. **हिट एण्ड रन** दोष क्या है? 2

2. सड़क दुर्घटना से लोकतंत्र के किस अधिकार का हनन होता है?

उत्तर :

1. जब रोड़ पर किसी कार से सड़क पर दुर्घटना होती है, तो उस दुर्घटना स्थल पर रूके बिना वहाँ से भाग जाना **हिट एंड रन** कहलाता है। दुर्घटना के बाद अगर दोषी अपनी पहचान छिपाने के मकसद से दुर्घटना स्थल से फरार हो जाता है, बावजूद इसके कि दुर्घटना स्थल पर किसी को उसकी आपात जरूरत हो। ऐसे में आरोपी के खिलाफ हिट एंड रन का दोष होता है।
2. सड़क दुर्घटना से लोकतंत्र का प्रमुख अधिकार **जीने का अधिकार** का हनन होता है।

19. केन्द्र सरकार द्वारा शहरी अवसंरचना, आवास और स्वच्छता के लिए चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख संक्षेप में कीजिए। 2

उत्तर :

देश में अच्छी शहरी अवसंरचना आवास और स्वच्छता प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएं निम्नलिखित है–

1. **जवाहरलाल नेहरू शहरी नवीनीकरण मिशन –** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत शहरी गरीबों को आवास के विकास और क्षमता विकास के लिए सहायता देना।
2. **शहरी निर्धनों को बुनियादी सेवाऐं कार्यक्रम –** यह कार्यक्रम शहरों में आवास और गंदी बस्ती उन्नयन के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
3. **राजीव आवास योजना –** शहरो में स्लम वासियों को सम्पत्ति का अधिकार प्रदान करने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

20. मत्स्य महाजनपद पर एक लेख लिखिए। 4

उत्तर :

वर्तमान जयपुर के आस–पास के क्षेत्र को मत्स्य महाजनपद के नाम से जाना जाता था। इसका विस्तार चम्बल के आसपास की पहाड़ियों से होता हुआ सरस्वती नदी के जांगल क्षेत्र तक था। आधुनिक अलवर और भरतपुर के कुछ हिस्सों को भी इस राज्य में सम्मिलित किया गया था। मत्स्य महाजनपद की राजधानी विराटनगर (जो वर्तमान समय में बैराठ के नाम से जाना जाता है) थी। महाभारत में इसका वर्णन किया गया है कि शहाज नामक एक राजा ने चेदि एवं मत्स्य दोनों राज्यों पर शासन किया। शुरुआत में मत्स्य चेदी राज्य का हिस्सा बना रहा और समय के साथ यह महान मगध साम्राज्य का हिस्सा बन गया।

21. मुगल शासक बाबर का संक्षिप्त परिचय दीजिये। 4

उत्तर :

भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर था, उसने 1526 ई. में पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी को पराजित कर भारत में मुगल साम्राज्य स्थापित किया। वह तुर्क मुसलमान था और तैमूर का वंशज था। चुगताई तुर्क वंश से सम्बन्धित होने के साथ–साथ मंगोल सेना नायक चंगेज खाँ के वंश से भी इसका सम्बन्ध था। इसकी माँ चंगेज खाँ की वंशज थी। जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर प्रारम्भ में पिता की मृत्यु के बाद फरगना की गद्दी पर **बादशाह** की उपाधि के साथ बैठा। बादशाह की उपाधि धारण करने वाला यह पहला तैमूर वंशीय शासक था। आगरा से 40 किमी. दूर खानवा में बाबर एवं राणा सांगा का युद्ध मार्च 1527 ई. में हुआ। बाबर ने यह युद्ध **तुलुगमा** पद्धति से लड़ा एवं जेहाद का नारा दिया। विजयी होने के बाद बाबर ने गाजी की उपाधि धारण की। 1528 ई. में बाबर ने चंदेरी के मेदिनीराय को पराजित किया। 1529 ई. में घाघरा के युद्ध में बाबर ने अफगानों को परास्त किया। बाबर की मृत्यु 26 दिसम्बर, 1530 ई. को हुई। इसे यमुना के किनारे आगरा के आरामबाग में दफनाया गया। बाद में बाबर की इच्छा के अनुसार उसे काबुल में दफनाया गया।

22. प्लोम्बियर्स की सन्धि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 4

उत्तर :

कावूर ने प्लोम्बियर्स नामक स्थान पर पहुंचकर फ्रांस के सम्राट नेपोलियन तृतीय से भेंट की, जिसके फलस्वरूप सार्डीनिया और फ्रांस के बीच 1858 ई. में प्लोम्बियर्स का समझौता हुआ। इस समझौते की प्रमुख शर्तें निम्नलिखित थीं–

1. आस्ट्रिया और सार्डीनिया के बीच युद्ध होने पर फ्रांस दो लाख सैनिक सहायता सार्डीनिया के लिए भेजेगा।
2. लोम्बार्डी और वेनेशिया सार्डीनिया को प्राप्त होंगे।
3. नेपल्स, सिसली और पोप के राज्य बने रहेंगे।
4. फ्रांस की सहायता के बदले नीस व सेवाय के प्रदेश फ्रांस को दिये जायेंगे।
5. विक्टर इमैन्युअल (सार्डीनिया का सम्राट) अपनी पुत्री का विवाह प्रिंस जेरोम बोनापार्ट के साथ कर देगा।

23. लोकतंत्र एक ऐसी सरकार है जिसमें सभी की हिस्सेदारी होती है। समझाइए। 4

उत्तर :

1. **लोकतंत्र एक ऐसी सरकार है जिसमें हर किसी की हिस्सेदारी होती है।** इसकी परिभाषा प्रस्तुत करते हुए यह कथन प्रोफेसर सीले द्वारा प्रस्तुत किया गया है।
2. लोकतंत्र लोगों की सरकार होती है जिसमें लोकतन्त्र के दो प्रकार– प्रत्यक्ष लोकतंत्र और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र होते हैं। अप्रत्यक्ष लोकतंत्र को दूसरे शब्दों में प्रतिनिधि सरकार या लोकतंत्र सरकार के रूप में जाना जाता है जिसमें जनता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन करती है।
3. लेकिन प्रत्यक्ष लोकतंत्र के मामले में जनता न केवल अपने जनप्रतिनिधियों का चुनाव करती है बल्कि नियम कानून बनाने में भी पहल करती है।
4. इसलिए लोकतंत्र में लोग अपने मतदान करने के अधिकारों का प्रयोग करते हैं, चुनाव लड़ते हैं, सार्वजनिक कार्यालय रखते हैं; सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल इत्यादि के सदस्यों के रूप में कार्य करते है।

अतः उपर्युक्त बिन्दुओं से स्पष्ट है कि लोकतंत्र में सभी की हिस्सेदारी होती है।

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में पेपर भेज दिए जाएंगे।

24. वैश्वीकरण के दौर में स्वदेशी की अवधारणा किन कारणों से प्रासंगिक बन गयी है? स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर :

वैश्वीकरण के इस दौर में अनेक विदेशी कम्पनियां भी भारत में आकर उत्पादन करने लगी है। इस बदलते परिप्रेक्ष्य में स्वदेशी शब्द का उपयोग भारतीय कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के लिए किया जाने लगा है। अतः वर्तमान समय में स्वदेशी की अवधारणा स्वयं के देश की कम्पनियों तथा उद्योगों द्वारा देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं को अपनाये जाने तथा विदेशी कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के बहिष्कार पर बल देती है। टाटा, गोदरेज, अमूल, हीरो, बजाज, पतंजलि आदि के उत्पाद भारत के स्वदेशी उत्पादों के उदाहरण हैं। स्वदेशी की अवधारणा के उत्पन्न होने के निम्न कारण प्रमुख हैं–

1. स्वदेशी की भावना राष्ट्र को एकजुट करने का कार्य करती है
2. इस अवधारणा के कारण घरेलू उद्योग–धन्धों को सम्बल मिलता है।
3. स्वदेशी की अवधारणा आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है।
4. स्वदेशी की भावना सामाजिक आर्थिक क्रांति उत्पन्न करती है।
5. इस भावना से देश के प्रति प्रेम एवं समर्पण की भावना उत्पन्न होती है।
6. स्वदेशी की अवधारणा से स्थानीय लोगों को रोजगार की प्राप्ति होती है।
7. घरेलू उत्पादन के बढ़ने से आयातों में कमी आती है, जिससे आयातों पर खर्च होने वाली मूल्यवान विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

अथवा

24. **स्वदेशी** की भावना देश में सामाजिक और आर्थिक क्रांति पैदा करने में सक्षम है। चार तर्कों के साथ इस बयान को न्यायसंगत बनाइए। 4

उत्तर :

स्वदेशी की भावना देश में सामाजिक और आर्थिक क्रांति पैदा करने में सक्षम है। इस बयान को निम्नलिखित चार तर्कों के साथ न्यायसंगत बनाया जा सकता है–

1. स्वदेशी की भावना घरेलू उत्पादों की माँग को बढ़ाकर भारतीय उद्योगों के विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाती है।
2. घरेलू उत्पादन और लोगों की आय में वृद्धि करती है। यह विदेशी कंपनियों को लाभांश के भुगतान के माध्यम से आय के हस्तांतरण को भी रोक देती है।
3. चूँकि भारतीय उद्योग विदेशी उद्योगों की तुलना में अधिक श्रम गहनता हैं, घरेलू उद्योगों के विकास से बढ़ती श्रम शक्ति के लिए अर्थव्यवस्था में नए रोजगार के अवसर पैदा होते है।
4. घरेलू उत्पादन में वृद्धि से आयात की माँग कम हो जाती है और परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की बचत होती है। व्यापार संतुलन में कमी स्वचालित रूप से ठीक हो जाती है।

25. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका बताइये। 4

उत्तर :

वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका– वर्तमान में अर्थव्यवस्था के विकास एवं सुदृढ़ता में वाणिज्यिक बैंकों का महत्त्व अकथनीय है। भारतीय अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास में वाणिज्यिक बैंकों के महत्त्व को निम्न बिन्दुओं से समझाया जा सकता है–

1. वाणिज्यिक बैंक संसाधनों का अनुकूलतम आवंटन करते हैं। प्राप्त बचतों को बैंक उन क्षेत्रों को उधार देते हैं, जहाँ लाभ की दर अर्थात् प्रतिफल की दर अधिकतम हो। साथ ही बैंक उन क्षेत्रों में भी संसाधन आवंटन करते हैं जो सामाजिक कल्याण की दृष्टि से वांछनीय हो।
2. आर्थिक विकास हेतु ऊँची बचत दर आवश्यक है। वाणिज्यिक बैंक जनता की बचतों को सुरक्षित रखकर उन्हें ब्याज भी प्रदान करते हैं। बैंक का यह कार्य समाज में बचत की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है।
3. जनता से जो बचतें जमा होती हैं, उन्हें गतिमान करके बैंक अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादकों तथा निवेशकों तक पहुँचाते हैं। यदि बैंक नहीं होते तो बचते सदैव बचतकर्त्ता के पास ही पड़ी रहती तथा कभी भी उत्पादन हेतु उपयोग में नहीं आती।

26. भारत में उपभोक्ता को प्राप्त किन्हीं चार अधिकारों का उल्लेख कीजिए। 4

उत्तर :

भारत में उपभोक्ता को प्राप्त अधिकार निम्नलिखित है–

1. **सुरक्षा का अधिकार –** उपभोक्ताओं को ऐसी वस्तुओं और सेवाओं से सुरक्षा प्राप्त करने का अधिकार है जिसमें स्वास्थ्य या जीवन के लिए जोखिम हो। उदाहरण के लिए, प्रेशर कुकर, बिजली के उपकरण, गीज़र, प्रैस आदि।
2. **सूचना प्राप्त करने का अधिकार –** उपभोक्ता जिन वस्तुओं को खरीदना चाहता है उसे उनकी गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता, प्रमाप, मूल्य, निर्माण की तिथि, निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, उपभोग के लिए बरती जाने वाली सावधानियों आदि के बारे में सूचना प्राप्त करने का अधिकार है। सूचनाओं को जान कर उपभोक्ता किसी उत्पाद को खरीदने के लिए अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय कर सकते हैं।
3. **चयन का अधिकार –** उपभोक्ताओं को विभिन्न उत्पादों में से प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर चयन की स्वतंत्रता का आश्वासन दिया जाना चाहिए। प्रत्येक उपभोक्ता अपनी इच्छानुसार वस्तुएँ खरीदना चाहता है। बाज़ार में मुक्त प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ताकि उपभोक्ताओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सही चयन करने का अवसर मिल सके।
4. **सुनवाई का अधिकार –** उपभोक्ता को अधिकार है कि वह किसी भी उत्पाद से अपनी असंतुष्टि व्यक्त कर सके और उसकी शिकायतों की सुनवाई हो।

27. 19वीं शताब्दी में प्रारम्भ हुए किन्हीं चार किसान आन्दोलनों का वर्णन

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द व्हाट्सएप्प करें।
आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाऐंगे।

कीजिए। 6

उत्तर :

19वीं शताब्दी में निम्नलिखित प्रमुख किसान आन्दोलन हुए–

1. **बंगाल में नील उगाने वाले किसानों का विद्रोह –** यह विद्रोह अंग्रेज भू–स्वामियों के खिलाफ किया गया था। 19वीं शताब्दी में कम्पनी के कुछ अवकाश प्राप्त यूरोपीय अधिकारियों ने किसानों से ऐसी शर्तों पर नील की खेती करने को मजबूर किया जो किसानों के लिए लाभकारी नहीं थी। अप्रेल, 1860 ई. में बारासाल, पावना, नादिया आदि के किसानों ने हड़ताल कर दी और नील बोने से इंकार कर दिया। यह हड़ताल समस्त बंगाल में फैल गई। अन्त में ब्रिटिश सरकार को किसानों के आक्रोश से बचने के लिए एक नील आयोग नियुक्त करना पड़ा।
2. **पंजाब में किसान आन्दोलन –** पंजाब में किसान ऋणों के भार से पीड़ित थे तथा उनकी भूमि पर गैर–किसान वर्ग के लोगों ने अधिकार कर लिया। इस भूमि हस्तान्तरण को रोकने के लिए सरकार ने 1900 में पंजाब भूमि अन्याक्रमण अधिनियम पास किया।
3. **चम्पारन किसान आन्दोलन –** 19वीं सदी के प्रारंभ में गोरे बागान मालिकों ने किसानों से एक अनुबंध किया जिसके अनुसार किसानों को अपनी जमीन के 3/20वे हिस्से में नील की खेती करना अनिवार्य था। गाँधीजी ने इसका विरोध किया। अन्त में जून, 1917 ई. में एक जाँच समिति बनाई गई, जिसकी रिपोर्ट पर चम्पारन कृषि अधिनियम पास किया गया।
4. **खेड़ा किसान आन्दोलन –** यह आन्दोलन बम्बई सरकार के विरुद्ध था। खेड़ा में वर्षा न होने से किसानों की फसल बर्बाद हो गयी और स्थिति बहुत दयनीय हो गयी थी। परन्तु बम्बई की सरकार ने भूमि–कर वसूलना बंद नहीं किया। गाँधीजी ने किसानों को संगठित कर सत्याग्रह किया। अन्त में सरकार को गाँधीजी की बात स्वीकार करनी पड़ी।

अथवा

27. 1857 के स्वतंत्रता संघर्ष के कारणों का विवेचन कीजिए। 6

उत्तर :

भारतीय स्वतन्त्रता–संग्राम के कारणों को अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से हम निम्नलिखित रूप में रख सकते हैं–

1. **राजनीतिक कारण –**
   (a) लॉर्ड डलहौजी की अपहरण–नीति।
   (b) पेन्शन व पदवियों से वंचित करना।
   (c) दिल्ली सम्राट् के साथ अनुचित व्यवहार।
   (d) अंग्रेजों का अहंकारपूर्ण व्यवहार।
   (e) भारतीयों के साथ सरकारी नौकरियों में भेदभाव।
   (f) भ्रष्ट एवं अन्यायपूर्ण शासन।
2. **आर्थिक कारण –**
   (a) भारतीय उद्योग–धन्धों का नष्ट होना।
   (b) देशी जमींदारों तथा ताल्लुकेदारों का असन्तोष।
   (c) देश के धन का बाहर जाना।
   (d) लोगों का बेरोजगार होना।
   (e) किसानों की दयनीय स्थिति।
3. **सामाजिक एवं धार्मिक कारण –**
   (a) भारतीय सामाजिक नियमों में परिवर्तन।
   (b) धर्म–परिवर्तन का प्रयास।
   (c) ईसाई पादरियों द्वारा हिन्दू एवं इस्लाम धर्म के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग।
   (d) शिक्षण संस्थाओं में ईसाई धर्म का प्रचार।
   (e) पाश्चात्य सभ्यता–संस्कृति का प्रचलन।
4. **सैनिक कारण –**
   (a) भारतीय सैनिकों में असन्तोष की भावना।
   (b) भारतीय सैनिकों में अंग्रेजों के प्रति शंका की भावना।
   (c) भारतीय सैनिकों को समुद्र पार भेजने की आशंका।
   (d) नये कारतूसों का प्रयोग।

28. भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिये किन योग्यताओं का होना आवश्यक है? सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के कार्यकाल एवं वेतन–भत्ते का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 7

उत्तर :

भारत के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने के लिए निम्नलिखित योग्यताएँ होना आवश्यक हैं–

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. उसे कम से कम 5 साल की अवधि के लिए उच्च न्यायालय में या अन्य न्यायालयों में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया होना चाहिए।

   या
3. उच्च न्यायालय या किसी अन्य अदालत में 10 साल की अवधि के लिए एक वकील के रूप में अभ्यास किया हुआ होना चाहिए।

   या
4. वह भारत के राष्ट्रपति के संज्ञान में न्यायपालिका की जानकारी के साथ एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए।

कार्यकाल– सर्वोच्च न्यायालय का प्रत्येक न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक अपने पद पर आसीन रह सकता है। इस अवस्था के पूर्व वह स्वयं त्यागपत्र दे सकता है। असमर्थता के कारण संसद के द्वारा न्यायाधीश को उसके पद से हटाया जा सकता है। यदि संसद के दोनों सदन अलग–अलग अपने कुल सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से न्यायधीश को अयोग्य या आपत्तिजनक आचरण करने वाला प्रमाणित कर देते है तो भारत के राष्ट्रपति आदेश से उस न्यायाधीश को अपने पद से हटना होगा।

वेतन–भत्ते– मुख्य न्यायाधीश को ₹100000 मासिक वेतन तथा अन्य न्यायाधीशों को ₹90000 मासिक वेतन मिलता है। न्यायाधीशों के लिए पेंशन व सेवानिवृत्ति पेंशन (ग्रेच्युटी) की व्यवस्था भी है। वेतन एवं भत्ते समय–समय पर संशोधित होते हैं।

अथवा

28. लोकसभा अध्यक्ष के कार्य एवं शक्तियाँ बताइए। 7

उत्तर :

लोकसभा अध्यक्ष/स्पीकर के कार्य एवं शक्तियाँ–

1. वह संसदीय कार्यवाही के किसी अंश को प्रकाशन, प्रसारण से निकाल सकता है।
2. अध्यक्ष इस बात का निर्णय करता है कि किसी विषय में प्रथम दृष्ट्या विशेषाधिकार भंग या अवमानना का मामला बनता है या नहीं। अध्यक्ष की सम्मति के बाद ही कार्यवाही की जा सकती है।

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में पेपर भेज दिए जाएंगे।

3. सदन स्थगन की शक्ति अध्यक्ष में निहित होती है, परन्तु स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान यह शक्ति अध्यक्ष की जगह पूरे सदन में स्थानान्तरित हो जाती है।
4. किसी विधेयक के धन विधेयक होने या न होने के निर्णय का अधिकार स्पीकर को ही होता है।
5. दल-बदल के अन्तिम निर्णय की शक्ति स्पीकर में निहित है।
6. अध्यक्ष किसी भी सदस्य को भाषण समाप्त कर बैठने का निर्देष दे सकता है, इसे फ्लोरिंग सिस्टम कहते हैं।
7. कोई भी सदस्य सदन में तब तक नहीं बोल सकता है, जब तक स्पीकर अनुमति नहीं देता। इस बात का निर्णय भी अध्यक्ष ही करता है कि सदस्य किस क्रम में व कितने समय में बोलेंगे।
8. राष्ट्रपति के पास कोई भी विधेयक उसके हस्ताक्षर के बाद ही भेजा जाता है।
9. किसी भी सांसद को गिरफ्तार करने से पूर्व अध्यक्ष को सूचित करना आवश्यक है।
10. संसदीय दलों को मान्यता देने के लिए अध्यक्ष मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्धारित करता है। विपक्षी नेता को भी मान्यता यही देता है।
11. लोकसभा महासचिव व समस्त पदाधिकारी उसी के अधीन कार्य करते हैं व उसी के प्रति उत्तरदायी होते हैं।
12. वह किसी भी सदस्य पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए उसकी सदस्यता को निलम्बित कर सकता है।
13. वह संसद की तीनों समितियों नियम समिति, कार्यमन्त्रणा समिति तथा सामान्य (प्रयोजन) समिति की अध्यक्षता करता है।
14. स्पीकर संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में पीठासीन होगा।
15. सदन की अवमानना के लिए जब दण्ड का प्रस्ताव सदन में पारित हो जाता है, तो गिरफ्तारी का वारन्ट भी अध्यक्ष ही जारी करता है।
16. सदन की प्रक्रिया विनियमित करने या सदन में व्यवस्था बनाए रखने में अध्यक्ष का आचरण न्यायालय की अधिकारिता के अधीन नहीं होगा।

29. विधानसभा अध्यक्ष के कार्य तथा अधिकारों को लिखिये। 6

उत्तर :

विधानसभा अध्यक्ष के कार्य तथा अधिकार- विधानसभा अध्यक्ष के प्रमुख कार्य तथा अधिकार निम्नलिखित हैं-

1. **सदन में शांति व्यवस्था बनाए रखना –** विधानसभा अध्यक्ष को सदन में शांति और व्यवस्था बनाए रखने हेतु समस्त आवश्यक कार्यवाही करने का अधिकार है। सदन का कोई सदस्य सदन में उसकी आज्ञा से ही भाषण दे सकता है। वह सदन की कार्यवाही से ऐसे शब्दों को निकाले जाने का आदेश दे सकता है जो असंसदीय या अशिष्ट हों।
2. **अध्यक्षता करना –** विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा की बैठकों की अध्यक्षता करता है तथा सदन की कार्यवाही का संचालन करता है।
3. **सदन की कार्यवाही का क्रम निर्धारित करना –** वह सदन के नेता से परामर्श करके सदन की कार्यवाही का क्रम निश्चित कर सकता है।
4. **मतदान का परिणाम घोषित करना तथा निर्णायक मत देना –** वह मतदान के परिणाम की घोषणा करता है। सामान्य परिस्थिति में वह सदन के मतदान में भाग नहीं लेता, लेकिन यदि किसी प्रश्न पर पक्ष और विपक्ष में बराबर मत आयें, तो वह निर्णायक मत का प्रयोग करता है।
5. **प्रश्नों को स्वीकार या अस्वीकार करना –** वह प्रश्नों को स्वीकार करता है और प्रश्नों को नियम विरुद्ध होने पर उन्हें अस्वीकार करता है।
6. **अन्य कार्य –**
   (a) वह दल-बदल सम्बन्धी याचिकाओं पर निर्णय देता है।
   (b) कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय भी अध्यक्ष ही करता है।

अथवा

29. राज्यपाल की वित्तीय एवं न्यायिक शक्तियों का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर :

राज्यपाल को निम्नलिखित वित्तीय शक्तियाँ प्राप्त हैं-

1. राज्य विधानसभा में सभी धन विधेयक राज्यपाल की पूर्व स्वीकृति से ही प्रस्तुत किये जाते हैं।
2. राज्यपाल की सिफारिश से ही अनुदान माँग विधानसभा में प्रस्तुत की जाती है।
3. राज्य की संचित निधि राज्यपाल के अधिकार में होती है और वह विधानमण्डल की स्वीकृति के बिना संचित निधि में से किसी भी प्रकार के व्यय की अनुमति दे सकता है।
4. जब तक विधानमण्डल से बजट पारित नहीं हो जाता है, तब तक राज्यपाल आकस्मिक निधि से अदृश्य व्यय की आज्ञा दे सकता है।
5. राज्यपाल द्वारा ही विधानमण्डल के एक या दोनों सदनों के समक्ष बजट प्रस्तुत किया जाता है।
6. राज्य विधानमण्डल में वित्तीय विधेयक राज्यपाल की पूर्व अनुमति से ही प्रस्तुत किया जाता है।

राज्यपाल को निम्नलिखित न्यायिक शक्तियाँ प्राप्त हैं-

1. संविधान के अनुच्छेद 161 के अनुसार राज्यपाल किसी सिद्धदोष व्यक्ति के दण्ड को कम कर सकता है, स्थगित कर सकता है, बदल सकता है या क्षमा कर सकता है।
2. राष्ट्रपति राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करते समय राज्य के राज्यपाल से परामर्श लेता है।
3. राज्य के जिला न्यायाधीशों और अन्य न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति और पदोन्नति का निर्णय राज्यपाल के द्वारा किया जाता है।
4. राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 72 के अन्तर्गत जो क्षमादान की शक्ति प्राप्त है, वह शक्ति राज्यपाल को प्राप्त नहीं है।
5. राष्ट्रपति और राज्यपाल की क्षमादान की शक्तियों में मूलभूत अन्तर होता है
   (a) मृत्युदण्ड के सभी मामलों में राष्ट्रपति को क्षमादान करने का पूर्ण अधिकार है, जबकि राज्यपाल को मृत्युदण्ड के आदेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति प्राप्त नहीं है।
   (b) राष्ट्रपति को सेना के न्यायालयों के द्वारा दिये गये दण्ड या दण्डादेश के मामले में क्षमादान की शक्ति प्राप्त है, जबकि राज्यपाल को इस तरह की कोई भी शक्ति प्राप्त नहीं है।

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द व्हाट्सएप्प करें। आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाऐंगे।

30. भारत के दिए गए रूपरेखा के नक्शे पर निम्नलिखित को दर्शाइए– 5

1. बाड़मेर।
2. मचकुंड परियोजना।
3. तुंगभद्रा परियोजना।
4. टिहरी परियोजना।
5. नागार्जुन सागर बांध।

उत्तर :

****

सत्र 2020–21 से नये पाठ्यक्रमानुसार सभी कक्षाओं के सभी विषयों की टेक्स्ट बुक एवं सभी प्रकार की सहायक अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों को मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा एवं वेबसाइट www.rbse.online पर उपलब्ध करवायी जाएगी। इसके लिये विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके लिये विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का कोई OTP Verification या Email द्वारा Verification नहीं देना होगा। हमारा व्हाट्सएप नम्बर जानने या अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये वेबसाइट www.rbse.online पर विजिट करें।

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में पेपर भेज दिए जाएंगे।